Literacy for a Billion

Movie: Aap Ki Kasam
Year: 1974

Song: Suno Kaho
Lyricist: Anand Bakshi

सुनो
कहो
कहा
सुना
कुछ हुआ क्या
अभी तो नहीं
हूँ... कुछ भी नहीं

सुनो
कहो
अरे कहा
सुना
कुछ हुआ क्या
ओ... अभी तो नहीं
कुछ भी नहीं

अरे चली
हवा
झुकी
घटा
कुछ हुआ क्या
हूँ... अभी तो नहीं
कुछ भी नहीं

तेरी क़सम ये दिलकश नज़ारे
करते हैं इशारे जो समझे कोई
मेरे सनम ये ख़ामोश आँखें भी
करती हैं बातें जो समझे कोई
समझा नहीं तुम समझा दो

अरे सुनो
हाँ कहो
कहा
अरे सुना
कुछ हुआ क्या
अभी तो नहीं
कुछ भी नहीं

बस जो चले तो
सुबह से लेकर रहूँ
शाम तक मैं तेरे संग में
गर हो सके तो
मैं अपने दिल पर
तेरा नाम लिख दूँ
हर एक रँग में
बातों में ना उलझाओ
अरे सुनो
हाँ कहो
हाँ कहा
सुना
कुछ हुआ क्या
ओ... अभी तो नहीं
कुछ भी नहीं

अच्छा कभी फिर बात छेड़ेंगे
मर्ज़ी नहीं है तुम्हारी अभी
कुछ हो गया तो
बड़ी होगी मुश्किल
के छोटी उमर है हमारी अभी

मैं क्या करूँ बतला दो
सुनो
हाँ कहो
कहा
अरे सुना
कुछ हुआ क्या
अभी तो नहीं
कुछ भी नहीं

चली हवा
झुकी घटा
कुछ हुआ क्या
ज़रा सा कुछ हुआ तो है
ज़रा सा कुछ हुआ तो है
ज़रा सा कुछ हुआ तो है
ज़रा सा कुछ हुआ तो है
ज़रा सा कुछ हुआ तो है

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*